

मोदी, मोदी और सिर्फ मोदी

हर्ष रंजन, वरिष्ठ पत्रकार
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारत को मोदी की जरूरत क्यों है?

नई दिल्ली, 9 जून। देश में अक्सर लोगों के एक वर्ग द्वारा यह सवाल हमेशा पूछा जाता है कि 'भारत को मोदी की आवश्यकता क्यों है?' दरअसल, इसका जवाब इसी सवाल में छिपा है। एक ऐसे समय में जब हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिये प्रयास कर रहे हैं, पूर्ण विकसित राष्ट्र बनने जा रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय रिश्तों में दबंगई के साथ पेश आ रहे हैं तो भारत को इस समय मोदी की जरूरत क्यों है, इसे समझने के लिये दुनिया के समृद्ध देशों में से एक जापान का उदाहरण लेते हैं।

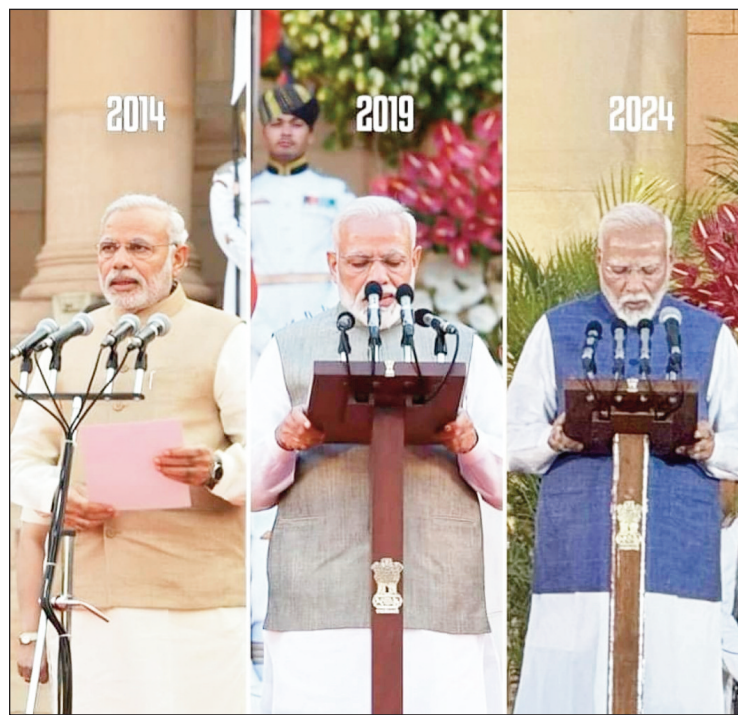
जापान, वर्ष 2010 तक करीब पांच दशकों तक संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद दुनिया की

दूसरी सबसे शक्तिशाली अर्थव्यवस्था बना रहा था। फिर वह तीसरे स्थान पर फिसल गया क्योंकि चीन ने दूसरा स्थान हासिल कर लिया। और फिर अगले 13 वर्षों के अंतराल में वर्ष 2023 में जापान जीडीपी के मामले में चौथे स्थान पर आ गया क्योंकि जर्मनी ने उसे ढकेल कर तीसरा स्थान प्राप्त कर लिया। दूसरी ओर भारत ने निरंतर विकास की कहानी देखी और काफी नीचे से उपर चलते हुए दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। और जल्दी ही जापान को पांचवें स्थान पर धकेलते हुए चौथे स्थान पर पहुंचने के लिए भारत तैयार है। जापान के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे

स्वर्गीय शिंजो आबे अपनी आक्रामक विदेश नीति और एक विशिष्ट आर्थिक रणनीति के लिए जाने जाते थे, जिसे लोकप्रिय रूप से एबेनॉमिक्स के नाम से जाना जाता है। बेहद लोकप्रिय और बेहद विवादास्पद राजनेता रहे आबे ने लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) को दो बार जीत दिलाई। एबेनॉमिक्स ने सकल घरेलू उत्पाद, कॉर्पोरेट आय और रोजगार के संदर्भ में स्पष्ट रूप से परिणाम दिए। लेकिन यह एक सीमा से आगे पहुंचने में विफल रहा।

एबेनॉमिक्स श्री एरोज यानी रतीन तीरों पर केन्द्रित था। पहला आक्रामक मौद्रिक नीति, दूसरा राजकोषीय समेकन और तीसरा विकास रणनीति। जबकि पहले दो से बेहतर परिणाम मिले, लेकिन विकास और आधारभूत परिवर्तनों के पैमाने विफल रहे क्योंकि रणनीतिकारों ने इस तथ्य को नजरअंदाज कर दिया कि जापानी अर्थव्यवस्था बढ़ती आबादी और बढ़ते सामाजिक कल्याण खर्चों का सामना कर रही है। यही भारत के प्रधानमंत्री मोदी की सोच सामने आती है। जब उन्होंने जन-धन खातों के माध्यम से वित्तीय समावेशन किया, महिलाओं को सशक्त बनाने के लिये दर्जनों योजनायें लांच की, युवाओं में सकारात्मक सोच विकसित करने के लिये स्टार्टअप और कौशल विकास पर जोर दिया तो दरअसल वो लांग टर्म के विकास के लिये नहीं पहलुओं को पहले से ही संबोधित करना चाह रहे

तीसरी बार प्रधानमंत्री बने मोदी



थे जहां जापान उतना सफल नहीं पाया था। किसी अन्य देश ने जापान में सेवानिवृत्त हो रहे लोगों की तीव्र वृद्धि का अनुभव नहीं किया है। आलोचकों का यह भी कहना है कि एबेनॉमिक्स

कार्यबल में महिलाओं को अधिकार देने, भाई-भतीजावाद से निपटने और अस्वास्थ्यकर कार्य संस्कृतियों को बदलने जैसे वादों को पूरा करने में विफल रहा।



भारत की आर्थिक सर्वोच्चता की खोज में युवा नेतृत्व की आवश्यकता

अब भारत की कहानी पर चलते हैं जो बहुत युवा है: यहां की आबादी की औसत आयु 30 साल से भी कम है, लगभग 29.5 वर्ष। लेकिन आने वाले वर्षों में भारत की आबादी की आयु बढ़ेगी। उम्मीद है कि 2050 तक भारतीय जनसंख्या की औसत आयु लगभग 39 वर्ष होगी। वर्ष 2000 में जापानी आबादी की औसत आयु इतनी ही थी। यहां नरेंद्र मोदी का विजन सामने आता है। ऐसा नहीं है कि मोदी केवल अल्प और मध्यावधि के बारे में सोचते हैं। उनकी सोच और दृष्टि आमतौर पर लंबी अवधि के लिए रही है। भारत 2047 तक पूरी तरह से विकसित राष्ट्र बनने की योजना बना रहा है, जब हम आजादी के 100 साल मनाएंगे, तो योजना बनाना और ऐसे रुख अपनाना जरूरी है जो भले ही अजीब और अनूठे लग सकते हैं, लेकिन समय आने पर इसके परिणाम मिलेंगे और जापान की कहानी नहीं दोहराई जाएगी। भारत, युवा ऊर्जा से भरपूर देश, वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की अपनी खोज में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। 30 वर्ष से कम की औसत आयु के साथ, भारत अपनी युवा आबादी की नवीन और गतिशील क्षमता का दोहन करने के लिए विशिष्ट स्थिति में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अपार क्षमता को पहचानते हुए शासन और निर्णय लेने के विभिन्न स्तरों पर युवा पीढ़ी को सशक्त बनाने की लगातार वकालत की है। राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश जैसे प्रमुख राज्यों में मुख्यमंत्री के रूप में युवा नेताओं की उनकी रणनीतिक नियुक्तियाँ इस दृष्टिकोण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का उदाहरण हैं। भारत को दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के लिए यह दूरदर्शी दृष्टिकोण आवश्यक है। इसके बिल्कुल

विपरीत, जापान की अर्थव्यवस्था की कहानी सतर्कता की घंटी बजाती है। एक समय दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था रहा जापान संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जर्मनी के बाद चौथे स्थान पर खिसक गया है। पर्याप्त सरकारी प्रयासों और मौद्रिक प्रोत्साहन के बावजूद, जापान की आबादी की बढ़ती उम्र ने इसकी आर्थिक गतिशीलता को बनाए रखने के लिए आवश्यक संरचनात्मक और शासन सुधारों में बाधा उत्पन्न की है। यह जनसांख्यिकीय चुनौती आर्थिक नवाचार और विकास को आगे बढ़ाने में युवा नेतृत्व के महत्वपूर्ण महत्व को बताती है।



जापान से सीखना : एक वृद्ध नेतृत्व के परिणाम

आक्रामक मौद्रिक नीतियों के बावजूद जापान की आर्थिक स्थिरता आवश्यक सुधारों को लागू करने में ऐसे उम्रदराज नेतृत्व की सीमाओं को उजागर करती है जो अपने अनुभव के अकड़ में हैं और नई चीजों और रणनीतियों को सीखने के प्रति उदासीन हैं। बढ़ती उम्र की आबादी की जनसांख्यिकीय वास्तविकता नीति-निर्माण में एक रूढ़िवादी पूर्वाग्रह पैदा करती है, जो अक्सर परिवर्तनकारी परिवर्तनों के खिलाफ प्रतिरोध का कारण बनती है। जापान का अनुभव दर्शाता है कि महत्वपूर्ण वित्तीय संसाधनों के साथ भी, एक अर्थव्यवस्था उस गतिशीलता और नवीनता के बिना संघर्ष कर सकती है जो एक युवा जनसांख्यिकी प्रदान कर सकती है।

भारत और जापान के बीच बहुत बड़ा अंतर है। वर्तमान में जहां भारत की औसत आयु 29.5 वर्ष है, वहीं जापान की औसत आयु 49.6 वर्ष है। यह जनसांख्यिकीय असमानता वैश्विक आर्थिक रुझानों को अनुकूलित करने और आकार देने के लिए देशों की संबंधित क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है। संरचनात्मक सुधारों को लागू करने में जापान की चुनौतियाँ उसके अदूरगामी नेतृत्व का प्रत्यक्ष परिणाम हैं, जो जोखिम लेने और नवाचार करने के लिए कम इच्छुक है। भारत के लिए इस खतरे से बचना महत्वपूर्ण है। और यहां मोदी इसीलिये जरूरी हैं। युवा नेताओं को बढ़ावा देकर, भारत यह सुनिश्चित कर सकता है कि उसकी शासन संरचनाएं लचीली रहें और नई आर्थिक वास्तविकताओं को अपनाने में सक्षम हों।

शासन में युवाओं को सशक्त बनाना : एक रणनीतिक अनिवार्यता

युवा नेतृत्व पर प्रधानमंत्री मोदी का जोर महज एक राजनीतिक रणनीति नहीं है बल्कि भारत के भविष्य के लिए एक रणनीतिक अनिवार्यता है। युवा नेता नए दृष्टिकोण, नवीन समाधान और एक मजबूत ऊर्जा लाते हैं जो शासन और नीति-निर्माण प्रक्रियाओं को पुनर्जीवित कर सकते हैं। सम-सामयिक तकनीकी प्रगति और वैश्विक रुझानों से उनकी निकटता उन्हें तेजी से विकसित हो रही दुनिया की जटिलताओं से निपटने में सक्षम बनाती है। उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, हरियाणा और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में युवा नेताओं को शीर्ष पर रखकर, मोदी एक ऐसी शासन संस्कृति को बढ़ावा दे रहे हैं जो चुस्त, उत्तरदायी और दूरदर्शी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में योगी आदित्यनाथ का चयन और गृह मंत्री के रूप में अमित शाह का उत्थान भी युवा लोगों को मामलों की कमान सौंपने की रणनीति के अंतर्गत आता है। यह दृष्टिकोण उन राज्यों में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जो

भारत के आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। अपने विशाल प्राकृतिक संसाधनों और नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता वाले राजस्थान को अपनी आर्थिक क्षमता को उजागर करने के लिए नवीन नेतृत्व की आवश्यकता है। इसी प्रकार, हरियाणा की रणनीतिक स्थिति और कृषि, औद्योगिक आधार के लिए विकास को गति देने के लिए गतिशील शासन की आवश्यकता है। अपनी कृषि क्षमता के साथ मध्य प्रदेश को ऐसे युवा नेताओं की जरूरत है जो उत्पादकता और स्थिरता बढ़ाने के लिए पारंपरिक प्रथाओं के साथ आधुनिक तकनीक को एकीकृत कर सकें।

समृद्ध भविष्य के लिए युवाओं को गले लगाना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की युवा नेताओं को सशक्त बनाने की रणनीति एक दूरदर्शी दृष्टिकोण है जो भारत की जनसांख्यिकीय वास्तविकता और आर्थिक आकांक्षाओं के अनुरूप है। युवाओं को शासन में सबसे आगे रखकर, भारत यह सुनिश्चित कर सकता है कि उसकी नीतियाँ और पहल समकालीन वैश्विक रुझानों को प्रतिबिंबित करती हैं और निरंतर आर्थिक विकास को चलाने में सक्षम हैं। जापान के अनुभव से सीखते हुए, यह स्पष्ट है कि हर स्तर पर उम्रदराज नेतृत्व, खासकर वो जो नई तकनीक सीखने और युवाओं की सोच से अपनी सोच का तालमेल कराने में अक्षम हो, आर्थिक प्रगति में बाधा बन सकता है। इसलिए, शीर्ष तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की भारत की राह अपनी युवा आबादी की शक्ति का उपयोग करने की क्षमता पर निर्भर करती है, जिसे उम्र में बड़े लेकिन सोच और सीखने में युवाओं से भी युवा नरेंद्र मोदी बड़ी ही सहजता से कर सकते हैं। भारत के युवा नेताओं की युवा ऊर्जा और नवोन्मेषी भावना देश की आर्थिक सर्वोच्चता की तलाश में अपरिहार्य संपत्ति हैं। शासन के सभी स्तरों पर युवा नेतृत्व को बढ़ावा देने की प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता न केवल वर्तमान के लिए आवश्यक है, बल्कि भारत के समृद्ध और गतिशील भविष्य को सुरक्षित करने के लिए भी महत्वपूर्ण है।

युवा नेतृत्व : भारत की आर्थिक उन्नति के लिए उत्प्रेरक

भारत की युवा आबादी एक जनसांख्यिकीय लाभांश है जिसका यदि प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाए तो यह देश को अभूतपूर्व आर्थिक ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी की इस क्षमता को पहचानना और युवा नेताओं को शासन के उच्चतम स्तर पर एकीकृत करने के उनके प्रयास सही दिशा में उठाए गए कदम हैं। ये युवा नेता युवा आबादी की जरूरतों और आकांक्षाओं के प्रति अधिक जागरूक हैं, जो भारत की बहुसंख्यक आबादी है। उनका नेतृत्व ऐसी नीतियाँ चला सकता है जो नवाचार, उद्यमशीलता और सतत विकास को बढ़ावा देती हैं। इसके अलावा, युवा नेताओं द्वारा डिजिटलीकरण को अपनाने की अधिक संभावना है, जो आधुनिक आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण घटक है। वैश्विक अर्थव्यवस्था तेजी से प्रौद्योगिकी और डिजिटल प्लेटफॉर्मों द्वारा संचालित होने के साथ, भारत के युवा नेता उन पहलों का नेतृत्व कर सकते हैं जो देश को डिजिटल अर्थव्यवस्था में अग्रणी के रूप में स्थापित करेंगे। इसमें स्टार्टअप को बढ़ावा देना, प्रौद्योगिकी में निवेश को प्रोत्साहित करना और डिजिटल नवाचार का समर्थन करने वाला एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना शामिल है।

यहां हाउसकीपर को भी मिलती है एक करोड़ से ज्यादा सैलरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 जून : हर कोई ये सोचता है कि उसे एक ऐसी नौकरी मिले, जिसमें लाखों-करोड़ों की सैलरी हो और तमाम तरह की सुविधाएं भी मिलें। ऐसी नौकरियां मार्केट में हैं तो सही, पर वो हर किसी को नहीं मिल पातीं। आमतौर पर ऐसा माना जाता है कि करोड़ों की सैलरी उन्हीं लोगों को मिलती है, जो किसी काम में एक्सपर्ट होते हैं, अच्छे कॉलेज से पढ़ाई की होती है और सालों का एक्सपीरियंस होता है, पर जरा सोचिए कि अगर हाउसकीपर यानी घर का काम करने वाले कर्मचारियों को भी करोड़ों रुपये की सैलरी मिलने लगे तो? जी हां, आजकल ऐसी ही दो जगहें चर्चा में हैं, जहां हाउसकीपर को भी करोड़ों में सैलरी मिलती है।



इन जगहों का नाम वेस्ट पाम बीच और बोका रैटन है, जो अमेरिका के

फ्लोरिडा में स्थित हैं। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, इन दोनों जगहों पर

काफी अमीर-अमीर लोग रहते हैं और ये अमीर लोग अपने घरों में हाउसकीपिंग की नौकरी करने वालों को सालाना डेढ़ लाख डॉलर यानी करीब एक करोड़ 25 लाख रुपये तक सैलरी दे रहे हैं। सिर्फ इतना ही नहीं, अगर वो कर्मचारी ओवरटाइम करता है तो उसके लिए भी अलग से सैलरी मिलती है। इसके अलावा उन्हें तमाम तरह की सुविधाएं भी मिलती हैं, जिसमें हेल्थ इश्योरेंस भी शामिल है, लेकिन दिक्कत इस बात की है कि इतनी सैलरी मिलने के बावजूद भी यहां रहने वाले अमीरों को हाउसकीपर नहीं मिल पा रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यहां हाउसकीपर की मांग इतनी बढ़ गई है कि जहां साल 2020 में उनकी सैलरी लगभग 25 डॉलर प्रति घंटे थी, वो

बढ़कर अब 45 डॉलर से 50 डॉलर तक पहुंच गई है। पाम बीच, मियामी, न्यूयॉर्क और उसके बाहर सेवा देने वाली वेलिंगटन एजेंसी की संस्थापक अप्रैल बेरुबे ने कहा कि घरेलू कर्मचारियों को रखने की जो डिमांड अभी है, वैसी डिमांड मैंने पिछले 30 सालों में नहीं देखी है। खासकर पाम बीच और मियामी में ये डिमांड बहुत ज्यादा है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाम बीच दुनिया के सबसे धनी शहरों में से एक है, जहां रहने वाला हर व्यक्ति करोड़ों-अरबों का मालिक है। यहां के घरों की औसत कीमत 12 करोड़ रुपये से भी अधिक है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भी एक रिसॉर्ट यहां पर मौजूद है। इसके अलावा भी यहां कई जाने-माने लोग रहते हैं।

74 साल की उम्र, 1300 बार हुआ गिरफ्तार, वो शख्स जिसने सलाखों के पीछे बिताए 6000 दिन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 जून : आदमी एक बार जेल की हवा खा ले, तो वो दोबारा ऐसा काम करने से बचता है कि उसे जेल जाना पड़े। कैदी जेल से छूटने के लिए कोई भी कीमत चुकाने को तैयार होता है। पर अमेरिका में एक शख्स को शायद जेल में जाना अच्छा लगता था। यही वजह है कि वो 1-2 बार नहीं, 1300 से ज्यादा बार सलाखों के पीछे रहा था। उसने 6000 दिन जेल में बिताए थे। हाल ही में उस शख्स की मौत हो गई, जिसके बाद से उसकी चर्चा हो रही है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार केंटकी में लेगिजटन के रहने वाले हेनरी अर्ल को इंटरनेट पर लोग इस वजह से पहचानने लगे थे, क्योंकि वो कई बार जेल जा चुके थे। उन्होंने अपने अधिकतर जुर्म शराब

के नशे में किए थे। 74 साल की उम्र में शख्स की इसी साल मई के महीने में मौत हो गई। उसे ओवेंटन कब्रिस्तान में दफनाया गया था। जीवन के अंतिम साल उसने एक हेल्थ केयर सेंटर में बिताए थे। उसका कोई परिवार नहीं था, इस वजह से हेल्थ केयर वर्कर्स ने ही उसका अंतिम संस्कार किया गया।

1300 से ज्यादा बार गिरफ्तारी रिपोर्ट के अनुसार हेनरी ने 18 साल की उम्र में तब शराब पीना शुरू किया था। जब उसकी मां की मौत हो गई थी, जिसने उसे गोद लिया था। 1970 के दशक में, जब वो 20 साल के थे, तब उन्होंने छोटे-मोटे जुर्म को अंजाम देना शुरू किया। लोगों का कहना है कि उनका सेंस ऑफ ह्यूमर गजब का था। 1992 से जब डिजीजन ऑफ कम्युनिटी कलेक्शन ऑफ लेक्सिंग्टन फेट अर्बन



काउंटी सरकार ने जब डिजिटल तरीकों से अपराध के लिए लोगों को बुक करना

शुरू किया, तब से हेनरी के जुर्म दर्ज होने शुरू हुए। ऐसे में ये भी अंदाजा

लगाया जा रहा है कि शायद वो 1500 से ज्यादा बार गिरफ्तार हुए होंगे।

माना जाता है कि उन्होंने 6000 घंटे जेल में ही बिता दिए। उसे अक्सर शराब के नशे में हंगामा मचाने के आरोप में गिरफ्तार किया जाता था। जुलाई 1970 में उसे पहली बार तब अरेस्ट किया गया था, जब उसके पास से एक हथियार बरामद हुआ था। उन्हें 2004 में एक अमेरिकी टॉक शो, जिमी किमेल लाइव पर भी आने का मौका मिला था, पर चूंकि वो जेल में थे, वो इसमें शामिल नहीं हो पाए थे। अप्रैल 2017 में उन्हें आखिरी बार शराब पीकर हंगामा करने के अपराध में गिरफ्तार किया गया था, पर उसी साल उन्हें बीमारी की वजह से ओवेनटन हेल्थकेयर और रीहैबिलिटेशन फैसिलिटी में भर्ती करवाया गया था। तब से वो वहीं रह रहे थे।

चार किलो गांजे के साथ युवक दबोचा

काशीपुर। पुलिस ने चार किलो गांजे के साथ एक युवक को दबोचा है। रविवार को ग्राम धर्मपुर में गांव निवासी दिग्विजय सिंह पुत्र राजेश सिंह एक ई-रिक्शा में चार किलो गांजे की तस्करी करने को ले जा रहा था। सूचना पर एसआई चंदन बिष्ट ने टीम के साथ उसे दबोच लिया। पुलिस ने दिग्विजय सिंह के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज कर उसे कोर्ट में पेश किया है।

सड़क हादसे में सेल्समैन की मौत के मामले में केस दर्ज

काशीपुर। एक हफ्ते पूर्व कार की टक्कर से सेल्समैन की मौत के मामले में मृतक की पत्नी ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कराया है। मुरादाबाद के गोविंद नगर निवासी ममता सैनी ने कहा कि उसके पति नरेश सैनी पुत्र मंगल सैनी मोनार्क नमकीन कंपनी में सेल्समैन थे। उसके पति पिछले रविवार को दोपहर महुआडाबरा सुरजननगर रोड पर कब्रिस्तान के पास सड़क किनारे कच्चे में अपनी बाइक के साथ खड़े थे तभी एक स्विफ्ट कार के चालक ने तेजी व लापरवाही से चलाते हुए उन्हें एवं बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में नरेश सैनी गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसके पति को मृत घोषित कर दिया। कोतवाल हरेंद्र चौधरी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कार चालक की तलाश की जा रही है।

दंपति के साथ मारपीट मामले के कोर्ट के आदेश पर केस

रुद्रपुर। एक युवक ने अपने गांव के छह लोगों पर उसे घर में घुसकर मारपीट करने का आरोप लगाया है। मामले में शनिवार को कोर्ट में आदेश पर पुलिस ने छह आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। गांव सुरेन्द्रनगर, शक्तिफार्म निवासी हरिदास मंडल ने दी तहरीर में कहा कि आठ सितंबर 2023 को उसके गांव के तपन गाईन, रेनु मंडल, महेश मंडल, काजल मंडल पत्नी मनिन्द्र मण्डल, सुकुमार विश्वास, राजीव उसके घर में घुस गए। आरोप था कि इस दौरान उनसे मारपीट की गई। इस हमले में वह और उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मामले में उन्होंने पुलिस को शिकायती की, पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने कोर्ट में पत्र दिया। शनिवार को कोर्ट में आदेश पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

चोरी के आरोपी पर गोली चलाने वाले गार्ड पर मुकदमा दर्ज

रुद्रपुर। बीती 28 जनवरी को भारत गैस एजेंसी के गार्ड के किए फायर से कुलदीप सिंह की मौत के प्रकरण में हल्का प्रभारी ने गार्ड के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। गोली लगने से कुलदीप की मौत हो गई थी। एसआई शंकर सिंह बिष्ट के बताया कि बीते 28 जनवरी को गढ़ीपट्टी निवासी कुलदीप सिंह पुत्र रूप सिंह भारत गैस एजेंसी सुनखरी में दीवार फांदकर चोरी के इरादे से गैस एजेंसी के अंदर घुस गया था। आरोप था कि कुलदीप यहां से सिलेंडर चोरी करने आया था। एजेंसी के बाहर गेट पर तैनात गार्ड परशुराम पुत्र डूनी चन्द ने टॉच जलाकर आवाज देकर देखने का प्रयास किया। गार्ड के अनुसार, आरोपी ने परशुराम पर हमला कर दिया था।

छात्रों ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजा

रुड़की। डीएलएड छात्र-छात्राओं की ओर से उत्तराखंड में प्राथमिक शिक्षक भर्ती जून माह में नहीं निकलने पर अगस्त माह में उन्हें निकालने की मांग मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से की है। छात्रों ने मुख्यमंत्री को मांग भेजा है। डीएलएड छात्र रोहित सिंह, नकुल, अरुण, नीरज कुमार, रितेश सैनी, विनीत, अनुज, अंकुश, आंचल देवी और मधु चौधरी आदि का कहना है कि उत्तराखंड राज्य सरकार की ओर से प्राथमिक शिक्षक भर्ती निकालने की घोषणा की गई थी। छात्रों ने बताया कि शिक्षक भर्ती जून में नहीं निकालने पर अब उन्हें अगस्त माह में निकाला जाए। छात्र-छात्राओं का कहना है कि राज्य के सैकड़ों छात्र इसी साल डीएलएड कर रहे हैं। डीएलएड जुलाई माह में पूरी हो जाएगी, कुछ ऐसे भी छात्र छात्राएं हैं जिनकी शिक्षक भर्ती में आयु सीमा जल्द समाप्त होने वाली है। आयु सीमा देखते हुए छात्र छात्राओं की ओर से प्राथमिक शिक्षक भर्ती अगस्त माह में निकालने की मांग की गई है।

निशुल्क नेत्र जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया

रुड़की। जीवन रेखा फाउंडेशन की ओर से निशुल्क नेत्र जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 110 लोगों की नेत्र जांच की गई और 20 लोगों की ओर से रक्तदान किया गया। बीटी गंज स्थित जैन धर्मशाला में आयोजित शिविर में हिमालयन हॉस्पिटल जॉली ग्रांट देहरादून की टीम ने मरीजों की आंखों की जांच की। संस्था के सदस्य धनंजय वर्मा की ओर से बताया गया कि संस्था पिछले तीन वर्षों से लगातार मानव सेवा के कार्यों में है। संस्था की ओर से समय-समय पर रक्तदान शिविर मेडिकल कैंप, वृक्षारोपण कार्यक्रम, कोरोना महामारी से बचाव के लिए वैक्सीनेशन कैंप लगाए जाते रहे हैं। महामंत्री कविश मिश्र ने बताया कि नर सेवा नारायण सेवा ही संस्था का एकमात्र उद्देश्य है। भविष्य में भी इस तरह सेवा कार्य संस्था की ओर से किए जाते रहेंगे। संस्था के कोषाध्यक्ष अशोक मावी ने बताया कि भारत सरकार की लाभकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का प्रयास रहता है ताकी सभी लाभार्थियों इसका लाभ उठा सके। शिविर में हिमालयन हॉस्पिटल जौली ग्रांट की ओर से डॉ. मनोज कुमार वर्मा एवं डॉ. सुफियान, सुबोध गुप्ता, सिमरन थापा, डॉ. चिन्मय अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। शिविर में संस्था के सदस्य विवेक गुप्ता, कुशाग्र गर्ग, अशोक मावी, हिमांशु शर्मा और धनंजय वर्मा आदि शामिल थे।

कार चालक से तमंचा कारतूस बरामद

रुड़की। चेंकिंग में पुलिस ने कार चालक से तमंचा और कारतूस बरामद किया है। आरोपी को जेल भेज दिया गया है। रविवार को पुलिस को सूचना मिली कि रुड़की से मुजफ्फरनगर जा रही एक कार चालक तमंचा और कारतूस के साथ सफर कर रहा है। सूचना पर शहर चौकी प्रभारी नवीन नेगी ने वाहनों की चेंकिंग शुरू की दी। पुलिस ने रोडवेज बस स्टैंड के पास कार को रोक लिया। तलाशी पर कार से एक तमंचा और एक कारतूस बरामद किया गया। इंस्पेक्टर अमरचंद शर्मा ने बताया कि कामेंद्र सिंह निवासी आनंद विहार थाना सिविल लाइंस जिला मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है।

पुलिस पर स्मैक की फर्जी बरामदगी दर्शाने का आरोप

रुड़की। बसेड़ी के ठेकेदार ने भिक्कमपुर चौकी पुलिस पर फर्जी स्मैक बरामदगी दिखाकर जेल भेजने का आरोप लगाया है। ठेकेदार ने चौकी प्रभारी और तीन सिपाहियों के खिलाफ पुलिस शिकायत प्राधिकरण में प्रार्थना पत्र दिया है। प्राधिकरण ने शिकायतकर्ता को मामले से संबंधित दस्तावेजों के साथ 25 जुलाई में तलब किया है। 5 अप्रैल 2024 में भिक्कमपुर चौकी पुलिस ने टांडा भागमल तिराहे से रईस अहमद पुत्र सईद अहमद निवासी बसेड़ी खादर को 10.05 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार दर्शाकर जेल भेजा था। 1 माह बाद एनडीपीएस कोर्ट हरिद्वार से उसे जमानत मिली थी। अब रईस ने पूरे मामले को फर्जी बताते हुए भिक्कमपुर चौकी प्रभारी और तीन सिपाहियों के खिलाफ पुलिस शिकायत प्राधिकरण में प्रार्थना पत्र दिया है।

टेक्निकल एजुकेशन के साथ फॉरेन लैंग्वेज की हो पढ़ाई : सुबोध उनियाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 10 जून प्राविधिक शिक्षा विभाग की ओर से राजकीय पालीटेक्निक देहरादून में गढ़वाल मंडल के राजकीय पॉलिटेक्निक के छात्रों के लिए पिट्यू वाला पॉलिटेक्निक में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में पहुंची 58 कंपनियों में छात्र-छात्राओं ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया।

रोजगार मिले के इस अवसर पर राज्य के प्राविधिक शिक्षा एवं वन मंत्री सुबोध उनियाल और विधायक विनोद चमोली ने पहुंच कर छात्रों का मार्गदर्शन किया।

उत्तराखंड में सबसे ज्यादा पॉलिटेक्निक और टेक्निकल कॉलेज

कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि राज्य के गठन के बाद से उत्तराखंड में आज जितने भी पॉलिटेक्निक और टेक्निकल कॉलेज हैं उतने हमारे पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश और हिमाचल के पास भी नहीं हैं। मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि हमें इस बात की खुशी है कि प्रतिवर्ष उत्तराखंड से हजारों बच्चे विभिन्न कंपनियों में नौकरी के लिए कैम्पस प्लेसमेंट से ही लिए जा रहे हैं।

उनियाल ने कहा कि हमारे राज्य के बच्चों को कॉलेज से टेक्निकल एजुकेशन की पढ़ाई करने के बाद भटकना नहीं पड़ रहा है और उनको सीधे यही से नियुक्त पत्र मिल रहा है। कैबिनेट मंत्री उनियाल ने कहा कि आज हमें टेक्निकल एजुकेशन के साथ ही छात्रों को फॉरेन लैंग्वेज भी पढ़ानी होगी जिससे कि उत्तराखंड का युवा न सिर्फ देश में नौकरी करेगा बल्कि विदेशों में उनके लिए पर्याप्त अवसर भी खुल जाएंगे उन्होंने कहा कि जल्द ही हमारी सरकार इन कॉलेज में फॉरेन लैंग्वेज की पढ़ाई के बारे में मसौदा तैयार करेगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का ज्ञान जरूरी है मंत्री उनियाल ने छात्रों से आर्टिफिशियल



इंटेलिजेंस को सीखने पर जोर दिया उन्होंने कहा कि आने वाला जमाना आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है जिसको सीखना बेहद जरूरी है ताकि हमारे राज्य के नौजवान

देश में ही नहीं बल्कि विश्व में किसी भी तकनीक से पीछे न रहें, उन्होंने नौकरी के साथ-साथ खुद का बिजनेस और स्टार्टअप की शुरुआत करने की बात कहते हुए

उत्तराखंड को बिजनेस हब बनने पर जोर दिया, कैबिनेट मंत्री उनियाल ने कहा कि बीते 2 सालों में राज्य में तकनीकी शिक्षा के विकास के लिए पॉलिटेक्निक कॉलेज

को मजबूत करने के लिए 500 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है। कैबिनेट मंत्री उनियाल ने कहा कि पिछले साल भी 64% पॉलिटेक्निक के छात्र-छात्राओं को विभिन्न कंपनियों में रोजगार मिल चुका है और इस साल हमारा टारगेट इससे भी कहीं ज्यादा का है। उनियाल ने कहा कि रोजगार में लेकर अंतिम वर्ष के कल 3550 छात्रों में से 1726 ने पंजीकरण कराया है और इसके साथ ही पिछले साल पास आउट 430 छात्र छात्राओं ने भी पंजीकरण कराया जबकि इस बार मेले में 58 कंपनियां आई हुई हैं।

सुबोध उनियाल ने बढ़ते हुए तापमान पर चिंता जताते हुए सभी से वृक्षारोपण की अपील भी की उन्होंने कहा कि जब हम जिंदा रहेंगे तभी हमें रोजगार के बेहतर साधन उपलब्ध होंगे इसलिए प्रकृति और पर्यावरण को भी बचाना जरूरी है।

छात्रों का प्लेसमेंट

मालूम हो कि रोजगार मेले में आई हुई 58 कंपनियों में 800 छात्र-छात्राओं ने रजिस्ट्रेशन कराया जिनमें से 572 बच्चों को सेलेक्ट किया गया है। रोजगार मेले में 430 पूर्व छात्रों के पंजीकरण भी हुए इसके साथ ही ऑनलाइन प्लेसमेंट सेल के जरिए 648 काशीपुर रोजगार मेले के माध्यम से 382 और पॉलिटेक्निक स्तर से 607 युवाओं को अभी तक रोजगार उपलब्ध कराया गया है।

इस मौके पर विधायक विनोद चमोली ने छात्र-छात्राओं को नौकरी के साथ ही स्वरोजगार की स्थापना और नए स्टार्टअप उद्योग लगाने पर जोर देते हुए रोजगार मेले में उपस्थित छात्रों का मार्गदर्शन किया। चमोली ने कहा कि राज्य के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

उत्तराखंड : इस दिन पहुंचेगा मानसून तब तक झेलनी पड़ेगी गर्मी की मार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 10 जून : तापमान में एक बार फिर से वृद्धि होने की सम्भावना है। प्रदेश में मानसून पहुंचने से पहले मैदान से लेकर पहाड़ तक भीषण गर्मी पड़ने वाली है, सामान्य से तीन से चार डिग्री तक की बढ़ोतरी होने की संभावना है। 10 जून को प्रदेश के चार जिलों में हल्की बारिश की सम्भावना है।

उत्तराखंड में मानसून के 25 जून तक पहुंचने की सम्भावना है। प्रदेश में जून के शुरुआत से ही बारिश ने दस्तक दे दी थी ऐसा लगने लगा था कि मई में पड़ी गर्मी की मार जून की बारिश शांत कर देगी। लेकिन ऐसा नहीं है मौसम विभाग के अनुसार मानसून के पहुंचने तक तापमान में बढ़ोतरी दर्ज होगी और गर्मी फिर से सताएगी। मानसून से पहले एक बार फिर गर्मी मैदान से लेकर पहाड़ तक कहर बरपाएगी। आगामी 11 जून तक प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहेगा इस बार उत्तराखंड में मानसून देरी से पहुंचेगा मौसम



विभाग के अनुसार इस बार मानसून 25 जून के आस-पास प्रदेश में प्रवेश करेगा, उससे पहले गर्मी फिर से परेशान करेगी। साथ ही इस बार मानसून सीजन में सामान्य से 10 प्रतिशत अधिक बारिश होगी। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिले के कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश होने की संभावना है जबकि अन्य जिलों में मौसम शुष्क बना रहेगा। बीते दिन देहरादून का अधिकतम

तापमान 39.0 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि पंतनगर का अधिकतम तापमान 38.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं मुक्तेश्वर का अधिकतम तापमान 30.0 डिग्री और न्यूनतम तापमान 14.6 डिग्री सेल्सियस था। नई टिहरी का अधिकतम तापमान 27.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर भाजपाईयों ने किया दुग्धाभिषेक

ऋषिकेश। तीसरी बार नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने पर रविवार को ऋषिकेश स्थित त्रिवेणीघाट में भाजपाईयों ने खुशी मनाते हुए गंगा में दुग्धाभिषेक किया। इस दौरान भाजपाईयों ने नरेंद्र मोदी के दीर्घायु और स्वस्थ रहने की कामना की। भाजपा कार्यकर्ताओं ने अल्मोड़ा से सांसद अजय टट्टा को केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह मिलने पर भी खुशी जताई। त्रिवेणीघाट पर आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के नेतृत्व में सभी कार्यकर्ताओं ने गंगा में दुग्धाभिषेक किया और मां गंगा से प्रधानमंत्री मोदी के दीर्घायु और स्वस्थ रहने की कामना की। मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि आज का दिन बहुत ऐतिहासिक है जब पूरे विश्व के नेता नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरी बार शपथ ले रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी 1962 के बाद पहले ऐसे नेता हैं, जो लगातार तीसरी बार शपथ ले रहे हैं। मोदी ने देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी की है। चुनाव के दौरान विपक्षी दलों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के लिए विभिन्न प्रकार का दुष्प्रचार किया गया। मगर, देश की जनता ने नरेंद्र मोदी का जलवा बरकरार रखा। इस दौरान केंद्रीय मंत्रिमंडल में उत्तराखंड से अल्मोड़ा सांसद अजय टट्टा को जगह मिलने पर भी खुशी जताई गई। मौके पर मंडल अध्यक्ष सुमित पवार, पूर्व दर्जाधारी संदीप गुप्ता, कृष्ण कुमार सिंघल, इंद्र कुमार गोदवानी, कपिल गुप्ता, बृजेश शर्मा, चेतन शर्मा, संजय शास्त्री, वन विकास निगम के सदस्य देवदत्त शर्मा, दिनेश सती, शिवकुमार गौतम, रीना शर्मा, मनोज ध्यानी, दीपक बिष्ट, माधवी गुप्ता, रूपेश गुप्ता, जितेंद्र अग्रवाल, राधे जाटव, शम्भू पासवान, नितिन सक्सेना, राजपाल ठाकुर, राजू नरसिम्हा, सीमा रानी, अनीता तिवारी, रुचि जैन, उषा मंडल, उषा जोशी, ज्योति पांडे, रेखा चौबे, राजेश्वरी आदि उपस्थित रहे।

उत्तराखंड : चारधाम यात्रा इयूटी पर लगे हेड कांस्टेबल की हार्ट अटैक से मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुड़की 10 जून : मृतक अर्जुन सिंह 2006 में उत्तराखंड पुलिस में भर्ती हुई थे। इयूटी में तैनात हेड कांस्टेबल की अचानक तबीयत खराब हो गई। आनन-फानन में उन्हें अस्पताल के लिए भर्ती किया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार बीते दिन एक दुःखद घटना सामने आई है जिसमें उत्तराखंड के एक पुलिस जवान की मृत्यु हो गई।

रुड़की मंगलौर कोतवाली क्षेत्र की नारसन चौकी पर तैनात हेड कांस्टेबल अर्जुन सिंह को अचानक दिल का दौरा पड़ गया। जिसके बाद उन्हें तुरंत इलाज के लिए मंगलौर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। वहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें रुड़की के सिविल अस्पताल रेफर किया गया। अस्पताल के चिकित्सकों ने उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन उनके सभी प्रयासों के बावजूद, उन्हें बचाया नहीं जा सका और अंततः, उनकी मृत्यु हो



गई। अर्जुन सिंह की अचानक हुई मृत्यु के बाद पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ पड़ी। उनकी मौत की खबर मिलते ही अर्जुन के परिजन भी रुड़की सिविल अस्पताल पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल था। पुलिस के अनुसार अर्जुन सिंह 2006 में भर्ती हुए थे और रामनगर में बेलपड़ाव की आईआरपी फर्स्ट बटालियन में तैनात थे। चारधाम यात्रा के चलते उनकी इयूटी मंगलौर थाना क्षेत्र की नारसन चौकी में लगी थी, अर्जुन सिंह मूलरूप से अल्मोड़ा के निवासी थे।

काली माता के दर्शनों के लिए उमड़े श्रद्धालु

विकासनगर। जेट माह के चौथे रविवार को इंदोली और जाड़ी स्थित मां काली के मंदिरों में माता के दर्शन के लिए भक्तों की खासी भीड़ उमड़ी। चक्राता क्षेत्र के इंदोली और जाड़ी गांव में मां काली के पौराणिक मंदिर हैं। जेट माह में आने वाले हर रविवार को मंदिर में मां काली की पूजा करना अत्यंत शुभ माना जाता है। इन मंदिरों के प्रति लोगों की आपार आस्था जुड़ी हुई है। मंदिर में दर्शन करने के लिए शनिवार रात से ही भक्तों ने इंदोली गांव में आना शुरू कर दिया था। रविवार को हजारों की संख्या में लोग मंदिर में दर्शन करने पहुंचे। माता के भक्तों ने कतार में लग कर मत्था टेक सुख समृद्धि की मन्तवें मांगी। इस मौके पर इंदोली गांव के दीवान शाह ने मंदिर में भंडारा आयोजित किया। श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में पारंपरिक हारुल नृत्य भी किया। दूसरी ओर जाड़ी स्थित मंदिर में भी भक्तों की भीड़ लगी रही। श्रद्धालुओं ने मंदिर में प्रसाद के तौर पर गुड़, आटा और चांदी के छत्र चढ़ाकर खुशहाली की कामना की। इस दौरान मंदिर के पुजारी प्रेम जोशी, बजीर टिकम सिंह, भंडारी खजान सिंह, ठाणी केशर सिंह, सतपाल सिंह, देव माली कुंवर सिंह, अरविंद, अतर सिंह आदि मौजूद रहे।

भारतीय सेना को मिले 355 युवा जांबाज अफसर देहरादून की पासिंग आउट परेड में हुए पास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 10 जून : पासिंग आउट परेड के बाद आयोजित होने वाली पीपिंग और ओथ सेरेमनी के पश्चात, 154वें रेगुलर कोर्स और 137वें टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स के कुल 394 ऑफिसर कैडेट लेफ्टिनेंट के रूप में देश-विदेश की सेनाओं की मुख्यधारा में शामिल हो गए। इंडियन मिलिट्री अकेडमी (आईएमए) भारतीय सेना को 355 युवा जांबाज अफसर मिल गए हैं। साथ ही मित्र देशों की सेनाओं को भी 39 बहादुर और कुशल प्रशिक्षित सैन्य अफसर मिले। सभी जेंटलमैन कैडेट के परिजन इस गौरवपूर्ण क्षण के

साक्षी बने, अपने लाइलों को सैन्य अफसर बनते देख कर सभी परिजनों ने गर्व महसूस किया। आईएमए पासिंग आउट परेड में सलामी सेना की उत्तरी कमान के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचंद्र कुमार ने ली। आईएमए में हर 6 महीने में पासिंग आउट परेड आयोजित होती है। इससे पहले दिसंबर 2023 में आईएमए देहरादून में पासिंग आउट परेड हुई थी। इसी के साथ सैन्य अकादमी के नाम देश-विदेश की सेना को 65 हजार 628 युवा सैन्य अधिकारी देने का गौरव जुड़ गया। इनमें मित्र देशों को मिले 2,953 सैन्य अधिकारी भी शामिल हैं।



7 घंटे चला iPhone का रेस्क्यू ऑपरेशन ढूँढते-ढूँढते थक गए फायर ब्रिगेड वाले

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 जून : आपने खुले बोरेवेल में गिरे मासूमों की जान बचाने के लिए घंटों चलाए गए रेस्क्यू ऑपरेशन तो देखे होंगे, लेकिन कभी किसी मोबाइल फोन के रेस्क्यू ऑपरेशन के बारे में सुना है। केरल के वर्कला में हुई यह घटना वाकई में असामान्य और दिलचस्प है, जहां छुट्टियां बिताने गई कर्नाटक की एक महिला का iPhone समुद्र तट पर चट्टानों के बीच गिरकर फंस गया। जिसके बाद इस महंगे फोन को निकालने के लिए बाकायदा सात घंटा लंबा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। सोशल मीडिया पर इसकी पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देखने के बाद लोग तरह-तरह की बातें कर रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक महिला जिस एंटीलिया शैले नाम के रिसॉर्ट में ठहरी हुई थी उसने फौरन उसके कर्मचारियों से मदद मांगी। इसके बाद केरल फायर एंड रेस्क्यू सर्विसेज की मदद से डेढ़ लाख की कीमत के आईफोन को 'बचाने' के लिए सात घंटे लंबा अभियान चलाया। इस रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान उठाए गए कदमों और चुनौतियों



को रिसॉर्ट ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज के माध्यम से शेयर किया है। वायरल हुआ पोस्ट में देखा जा सकता है कि कैसे तेज समुद्री लहरों और हवाओं ने आईफोन के रेस्क्यू ऑपरेशन को और भी चुनौतीपूर्ण बना दिया। लेकिन आखिरकार टीम की मेहनत रंग लाई और फोन को सफलतापूर्वक बरामद कर लिया गया। इस अनोखे रेस्क्यू ऑपरेशन को लेकर इंटरनेट पर बहस छिड़ी हुई है। कुछ लोग इस बात से नाराज हैं कि एक फोन को निकालने के लिए फायर

डिपार्टमेंट की सेवाओं का इस्तेमाल किया गया, जिसे उन्होंने संसाधनों की बर्बादी बताया है। वहीं, कुछ लोगों को यह घटना बेहद मजेदार लगी और उन्होंने इसे हंसी-मजाक के रूप में लिया है। एक यूजर ने चुटकी लेते हुए कमेंट किया है, 'मैं तो खोजी कुत्ते की एंट्री का वेट कर रहा था। वहीं, दूसरे यूजर का कहना है, 'मैनपावर और समय दोनों की बर्बादी। एक अन्य यूजर ने लिखा है, 'एक फोन के लिए पूरी मशीनरी लगा दी, बेवकूफी की हद है ये तो।

नैनीताल : ट्रैफिक व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी मिलने पर शिक्षकों ने किया विरोध

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 10 जून : पर्यटकों के लगातार बढ़ते दबाव और जिले में पुलिसकर्मियों की कमी के कारण, डीएम के निर्देश पर शिक्षा विभाग ने एक अजीबोगरीब फरमान जारी किया है। 7 से लेकर 13 जून तक ड्यूटी करने के निर्देश दिए गए हैं। गमियों की छुट्टियों में नैनीताल घूमने आ रहे पर्यटकों की संख्या ने जिले के शिक्षकों की छुट्टी का आनंद छीन लिया है।

चुनाव ड्यूटी के बाद शिक्षकों को दी जाने वाली इस जिम्मेदारी से शिक्षक नाखुश नजर आ रहे हैं। शिक्षक संघ ने इस जिम्मेदारी को लेकर विरोध किया है, क्योंकि अब उन्हें पठन-पाठन के साथ-साथ पर्यटकों को भी नियंत्रित करना होगा। नैनीताल में वीकेंड पर शिक्षा अधिकारी कंट्रोल रूम में बैठकर यातायात की निगरानी करेंगे और शिक्षक चौराहों पर खड़े होकर यातायात को



नियंत्रित करेंगे। राजकीय शिक्षक संघ इसके आदेश के विरोध में उतर आया है। शिक्षकों का कहना है कि उनकी पठन-पाठन के अलावा चुनाव, जनगणना, पशु गणना जैसे कई कामों में शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जाती है। यातायात नियंत्रण में शिक्षकों की ड्यूटी लगाने के लिए राजकीय शिक्षक संघ की जिला इकाई ने

विरोध दिखाया है। नैनीताल जिला के राजकीय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. विवेक पांडेय का कहना है कि पहले ही शिक्षकों को कई अतिरिक्त कार्य दिए गए हैं, जिससे स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई पर प्रभाव पड़ रहा है। अब छुट्टियों में यह नई जिम्मेदारी देना कर्मचारियों का शोषण है, शिक्षक संघ इसका विरोध करता है।

संक्षिप्त खबरें

बड़कोट में तीन लाख की स्मैक पकड़ी

उत्तरकाशी। बड़कोट पुलिस और एसओजी टीम ने शनिवार रात को 10.7 ग्राम स्मैक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस ऐक्ट में मुकदमा पंजीकृत किया है। पकड़ी गई स्मैक की अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमत करीब तीन लाख रुपये आंकी गई है। आरोपी स्मैक को यमुनोत्री के जानकीचट्टी क्षेत्र में बेचने की फिराक में था। प्रभारी निरीक्षक बड़कोट सन्तोष सिंह कुंवर तथा एसओजी प्रभारी प्रकाश राणा के नेतृत्व में टीम ने शनिवार रात बड़कोट क्षेत्रान्तर्गत पौंटी पुल बड़कोट के समीप चेंकिंग अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने 28 वर्षीय गुड्डू राणा पुत्र जर्मन सिंह निवासी ग्राम फिताड़ी, मोरी को 10.07 ग्राम स्मैक की तस्करी करते हुए गिरफ्तार किया।

नौगांव की बीडीसी बैठक आज

उत्तरकाशी। नौगांव खंड विकास अधिकारी दिनेश चंद्र जोशी ने बताया कि 10 जून को क्षेत्र पंचायत की बैठक ब्लॉक सभागार में आयोजित की जाएगी। उन्होंने समस्त जनपद अधिकारी और बीडीसी मंत्रियों से बैठक में तैयारी के साथ समय पर उपस्थित होने की अपील की।

स्विट्जरलैंड की युवती के लिए पुलिस बनी फरिश्ता

ऋषिकेश। स्विट्जरलैंड निवासी 30 वर्षीय युवती की स्वर्गाश्रम क्षेत्र में बीते चार जून को अचानक मानसिक स्थिति बिगड़ गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस और एलआईयू ने उसे एम्स में भर्ती कराकर इलाज कराया। स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद रविवार को उसे एम्स से डिस्चार्ज कर दिया गया। बीजा खत्म होने के चलते युवती का भाई उसे साथ लेकर स्वदेश लौट गया है। लक्ष्मणझुला पुलिस के मुताबिक चार जून को स्थानीय लोगों ने एक विदेशी महिला के लावारिश स्थिति में घूमने की जानकारी दी। एलआईयू कर्मियों के साथ पुलिस ने उसकी खोजबीन की। विदेशी स्वर्गाश्रम क्षेत्र में घूमते मिली। पहचान स्विट्जरलैंड निवासी नेना मारिया जूडिथ के रूप में हुई। पूछताछ में पता चला कि वह अप्रैल में भारत पहुंची थी। यहां घूमने के लिए एक महीने का बीजा लिया था। कई स्थानों पर घूमने के बाद वह तपोवन पहुंची और फिर स्वर्गाश्रम क्षेत्र में आ गई। अचानक मानसिक स्थिति बिगड़ने पर उसका बैग भी क्षेत्र में कहीं गुम हो गया, जिसमें करेंसी, पासपोर्ट और लैपटॉप समेत कीमती सामान था। एलआईयू और पुलिस ने बैग को आखिरकार खोज निकाला। स्विट्जरलैंड के दूतावास को अवगत कराते हुए बीजा भी खत्म होने की जानकारी दी गई, जिसके बाद नेना के परिजनों से पुलिस का संपर्क हुआ। रविवार को उसके स्वस्थ होने पर स्विट्जरलैंड से भाई जोनाथन आंद्रे ओटिंगर ऋषिकेश पहुंचा। एम्स से डिस्चार्ज होने के बाद वह उसे स्वदेश लेकर लौट गया। जोनाथन ने पुलिस के मानवीयता के परिचय पर खुशी जाहिर करते हुए हौसला अफजाई भी की।

पोस्टर में नंदनी और भाषण में आर्यन अब्बल

ऋषिकेश। राईका आईडीपीएल में रविवार को समर कैंप के दौरान ऊर्जा बचत पर पोस्टर और भाषण प्रतियोगिता हुई। पोस्टर में नंदनी बड़थवाल और भाषण में आर्यन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता की शुरुआत करते हुए एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी नरेंद्र सिंह रावत ने कहा कि भाषण गर्मी से बचने के लिए ऊर्जा का सदुपयोग किया जाना आवश्यक है। भौतिकवादी युग में सामान्यतः एयर कंडीशन अधिकोश लोग उपयोग कर रहे हैं, जबकि एयर कंडीशन अन्दर तो डंडी हवा देता है और बाहर गर्म हवा फेंकता है। इस कारण बाहर का वातावरण गर्म होता है। इसके लिए हमें अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए तथा पेड़ों का संरक्षण और संवर्धन करना चाहिए। इस दौरान पोस्टर प्रतियोगिता में नंदनी बड़थवाल ने प्रथम, आर्यन ने द्वितीय तथा हिमानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण में आर्यन ने प्रथम, हिमानी ने द्वितीय तथा नंदनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मौके पर सुनीता पंवार, मनोज कुमार गुप्ता, मोनाक्षी, सरोज गुप्ता, ओम सिंह बिष्ट, अंजली, अंकिता, ईशा, मनीषा आदि उपस्थित रहे।

केंद्र सरकार के खिलाफ एनएसयूआई का प्रदर्शन

ऋषिकेश। नीट परीक्षा में हुई धांधली के खिलाफ रविवार को ऋषिकेश के दून तिराहे पर एनएसयूआई का गुस्सा फूट पड़ा। प्रदर्शन करते हुए एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने इस मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की। रविवार को एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने दून तिराहे पर पुतला दहन कर नीट परीक्षा में हुई धांधली के प्रति कड़ी नाराजगी जताई। श्रीदेव सुमन विवि परिसर ऋषिकेश के छात्रसंघ अध्यक्ष हिमांशु जाटव ने कहा कि देश व प्रदेश में लगातार पेपर लीक के मामले सामने आ रहे हैं। एक तरफ सरकार रोजगार देने की बात करती है, वहीं दूसरी तरफ पेपर लीक जैसे मामले सामने आने लगते हैं। सरकार लगातार सरकारी पेपर कराने में असफल साबित हो रही है। जिसका विरोध लगातार एनएसयूआई करती आ रही है।

सावधान उत्तराखंड : देहरादून में डेंगू की दस्तक, पहला मरीज दून अस्पताल में भर्ती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 10 जून : बरसात का मौसम अभी पूरी तरह से शुरू नहीं हुआ है और डेंगू दस्तक दे चुके हैं। दून हॉस्पिटल में डेंगू के दो मरीजों का इलाज चल रहा है। इन दोनों का कार्ड टेस्ट पॉजिटिव आया है जबकि अभी एलाइजा रिपोर्ट का इंतजार है।

उत्तराखंड में डेंगू के मामले आना शुरू हो गए हैं। देहरादून में डेंगू के 2 नए मामले दर्ज किए गए हैं, जिससे स्वास्थ्य विभाग अब अलर्ट मोड पर आ गया है। मॉनसून सीजन में डेंगू-चिकनगुनिया संक्रमण के फैलने का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है। ऐसे में लोगों को अब इस सीजन में सावधान होने की ज्यादा जरूरत है। दून अस्पताल के मेडिसिन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अंकुर पांडेय ने

बताया कि बुधवार को अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में डेंगू के दो मरीज भर्ती हुए। एक मरीज 45 वर्षीय पुरुष हैं और दूसरे 49 वर्षीय महिला। एक मरीज उत्तराखंड के काशीपुर से हैं और दूसरा बिजनौर से। डॉ. पांडेय ने बताया कि दोनों मरीजों की हालत स्थिर है।

वे बुखार के साथ भर्ती हुए थे और अन्य लक्षण भी सामान्य हैं, लेकिन डेंगू कार्ड टेस्ट पॉजिटिव आया है। बरसात के दौरान घर के अंदर या बाहर पानी जमा न होने दें, कूलर का पानी समय-समय पर निकालते रहे, गमलों और टायरों में पानी जमा न होने दें, रात को सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें, शरीर में पानी की कमी न होने दें, घर से बाहर निकलते समय पूरे बाजू वाले के कपड़े पहनें, बाहर का तला भुना खाने से बचें।



रुड़की : कार और पांच लाख कैश न देने पर ससुराल वालों ने कर दी विवाहिता की हत्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुड़की 10 जून : यहाँ एक विवाहित की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई और मृतक युवती के भाई ने ससुराल वालों पर दहेज के चलते हत्या का आरोप लगाया है। आरोप है कि ससुराल वाले कार और पांच लाख कैश की डिमांड कर रहे थे। इसके चलते इन्होंने जहर देकर युवती को मार दिया।

समाज में दहेज प्रथा आज भी कई मासूमों की जान ले रहा है। ऐसा ही एक मामला रुड़की के भगवानपुर का है जहाँ पर फरमान ने पुलिस में तहरीर देकर बताया कि उसकी बहन गुलबहार की शादी तीन साल पहले भगवानपुर के सरठेड़ी गांव निवासी सलमान से हुई थी। शादी में हमने नौ लाख रुपये नकद, सोने-चांदी के जेवरों व अन्य सामान दिया था लेकिन ये लोग इस दहेज से तब भी खुश नहीं थे। ससुराल वाले दहेज के नाम पर फिर से पांच लाख रुपये नकद और कार के डिमांड करने लगे और गुलबहार को



मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। 31 मई को बहन ने फोन करके बताया कि ससुराल वाले उसे दहेज की डिमांड कर रहे हैं और अगर दहेज नहीं दिया तो वो जान से मार देंगे।

1 जून को सूचना मिली कि ससुराल वालों ने उसे जहर दे दिया है। मायके वाले आनन-फानन में वहां पहुंचे तो जानकारी

मिली कि ये लोग उसे रुड़की के किसी अस्पताल में उपचार के लिए ले गए हैं। लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जब मायके वाले पहुंचे तो देखा उसके चेहरे पर चोट के निशांत और दांत भी टूटे हुए थे। भाई ने उसके पति समेत पांच नामजद के खिलाफ तहरीर दी है, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दो मकानों का सौदा कर प्रापटी डीलर ने ठगे 31.50 लाख

काशीपुर। दो लोगों ने पुलिस को तहरीर देकर एक प्रापटी डीलर पर मकान का सौदा करने के नाम पर 31.50 लाख रुपये ठगने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जसपुर के मोहल्ला जुलाहान व हाल निवासी जसपुर खुर्द मो. शाहिद पुत्र हाजी मो. छुट्टू ने कहा है कि 1 जनवरी 2021 को उसने जसपुरखुर्द के ही एक प्रापटी डीलर से नीझड़ा में 600 वर्गफिट मकान का सौदा 13 लाख रुपये में किया था। उसने बैंक से लोन लेकर रकम अदा कर दी, लेकिन तीन साल बाद भी उसे मकान पर कब्जा नहीं मिला। वहीं नगर पंचायत मसवासी, पोस्ट भूवरा एहतमाली, तहसील टांडा, जनपद रामपुर निवासी नाजिम सुल्तान पुत्र शमीम अहमद ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि उक्त डीलर से उसके साथ भी एक मकान का सौदा 20 लाख रुपये में किया। उसने साढ़े 15 लाख की रकम चेक से दी। जबकि 2.94 लाख रुपये नगद दिए। लेकिन डीलर ने उसे भी आज तक भी मकान पर कब्जा नहीं दिया है। अब आरोपी उसे जान से मारने की धमकी दे रहा है। उनका कहना है कि आरोपी डीलर कई और लोगों से भी लाखों रुपये की धोखाधड़ी कर चुका है। खबर लिखे जाने तक केस दर्ज नहीं हो सका है। पुलिस मामलों की जांच में जुटी है।

गंदे पानी की निकासी रोकने से तालाब बनी सड़क

काशीपुर। ग्राम शिवलालपुर डल्लू के ग्रामीणों ने दो सगे भाइयों पर पानी की निकासी का मार्ग बंद करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि निकासी बंद करने से नालियों का पानी सड़क पर भरा हुआ है। इससे लोगों को आवाजाही में दिक्कत हो रही है। ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर गंदे पानी की निकासी सुनिश्चित करने की मांग की है। एसडीएम को दिए ज्ञापन में शिवलालपुर अमरझंडा के लोगों का कहना है कि ग्राम पंचायत के वार्ड संख्या आठ व नौ में पानी की निकासी की व्यवस्था की गई है। लेकिन पूर्व में एक व्यक्ति ने निकासी मार्ग बंद कर दिया। इससे गंदा पानी सड़क में भर आया। शिकायत पर पैगा चौकी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पानी की निकासी सुनिश्चित कराई। कुछ दिन बाद आरोपी और उसके भाई ने फिर से अपने खेत से 50 फीट दूर फिर से निकासी मार्ग को बंद कर दिया। इससे सड़क गंदे पानी के तालाब के रूप में तब्दील हो गई है। ग्रामीणों को वहां से गुजरने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

मंदिर की छत पर मिला युवक का शव

काशीपुर। तीर्थ स्थल द्रोणासागर में एक मंदिर की छत पर एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची आईटीआई थाना पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आईटीआई थाना पुलिस को रविवार की सुबह सूचना मिली कि द्रोणासागर में राधा कृष्ण मंदिर की छत पर एक युवक का शव पड़ा है।

सूचना पर एसआई प्रकाश बिष्ट ने पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर शव कब्जे में ले लिया। मृतक की जेब से मिले आधार कार्ड के अनुसार उसकी शिनाख्त जसपुरखुर्द निवासी चंदन झा (27 वर्ष) पुत्र ओमप्रकाश झा के रूप में हुई है। मृतक के पिता अहरपुरा में रहते हैं। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने उसके शव की शिनाख्त की। चं

दन मूल रूप से ग्राम सिद्धीकपुर थाना सराय, जौनपुर का निवासी था। परिवार में वह सबसे बड़ा पुत्र था। जो अविवाहित था और नशे का आदी हो गया था। वह ई-रिक्शा चलाता था और परिवार से अलग रहता था। उसके शव के पास से सल्फास की दस गोतियां व कीटनाशक दवा की शीशी मिली है। आशंका जताई जा रही है कि चंदन ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर खुदकुशी कर ली।

संक्षिप्त खबरें

नहर निर्माण कार्य में तेजी लाने की मांग

कोटद्वार। पूर्व सैनिक संघर्ष समिति ने पूर्वी खोह नहर के निर्माण कार्य में तेजी लाने की मांग की है। कहा कि नहर निर्माण तेजी से होने पर ही काश्तकारों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो पायेगा। इस संबंध में रविवार को समिति अध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह रावत की ओर से प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण को ज्ञापन सौंपा गया।

लोगों ने की सड़क किनारे कूड़ादान लगाने की मांग

कोटद्वार। नगर निगम के अंतर्गत भाबर क्षेत्रवासियों ने सड़क के किनारों पर कूड़ेदान लगाने की मांग की है। कहा कि कूड़ादान नहीं होने के कारण लोग अपने घर और प्रतिष्ठानों का कूड़ा सड़क पर ही फेंक रहे हैं। इस संबंध में रविवार जानकारी देते हुए भाबर क्षेत्र के निंबूचौड़ निवासी संतोष कुमार, मनोज कुमार, मवाकोट निवासी संजय देवरानी, विपिन मैदोला और दुर्गापुरी निवासी अंकित नेगी और मयंक रावत ने बताया कि भाबर क्षेत्र के कई क्षेत्रों में नगर निगम की ओर से कूड़ेदान नहीं लगाए गए हैं। इन क्षेत्रों में कूड़े की गाड़ी केवल मेन रोड पर आती है, उसके भी आने जाने का पता नहीं चलता। ऐसे में लोग अपने घरों और प्रतिष्ठानों का कूड़ा सड़क पर ही फेंक रहे हैं। कहा कि इस संबंध में नगर निगम के अधिकारियों को अवगत कराने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। नगर निगम को इस ओर ध्यान देते हुए सड़कों के किनारे कूड़ेदान लगवाने चाहिए।

बढ़ती गर्मी में राहगीरों की बुझाई प्यास

कोटद्वार। भारत विकास परिषद की ओर से बढ़ती गर्मी को देखते हुए रविवार को लोगों को शरबत पिलाया। रेलवे एवं बस स्टेशन में आयोजित उक्त कार्यक्रम का आरंभ परिषद के अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल ने किया। उन्होंने कहा कि गर्मी के दिनों में पानी पिलाना पुण्य का कार्य है। मौके पर परिषद अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल, सचिव प्रदीप अग्रवाल, कोषाध्यक्ष चंद्र मोहन सिंह, कार्यक्रम संयोजक राजेन्द्र जखमोला और संगठन मंत्री गोपाल बंसल आदि थे।

पैदल यमुनोत्री यात्रा कर लौटी श्रीनाग देवता डोली का स्वागत

उत्तरकाशी। भटवाड़ी के उत्तरो गांव के आराध्य श्री नाग देवता की डोली सैकड़ों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में छह दिन की पैदल यमुनोत्री धाम की यात्रा कर रविवार को वापस लौटी। गांव में डोली यात्रा का ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया तथा श्रीनाग देवता से गांव व क्षेत्र की खुशहाली और सुख समृद्धि मांगी। उत्तरो गांव के आराध्य श्रीनाग देवता हर पांच वर्ष बाद जून माह में पहाड़ी रास्तों से होते हुए यमुनोत्री की पैदल यात्रा पर निकलते हैं। करीब 55 किमी की पगडंडी वाली पैदल यात्रा के दौरान तीन दिन जाने तथा तीन दिन वापस आने में लगते हैं। बीते 4 जून मंगलवार को श्री नाग देवता की डोली जांगरा होते हुए कफलों, संगमचट्टी, गजोली होते हुए रात्रि विश्राम के लिए नौगांव पहुंची। दूसरे दिन 5 जून को सुबह हवामयनी, मुवायापानी, चौखंभ्या होते हुए हम्मारा, थापा कू चौर और दामणी, थातरा होते हुए निसणी गांव पहुंची। निसणी गांव में श्री नाग देवता का भव्य स्वागत किया गया। 6 जून को श्री नाग देवता की डोली यमुनोत्री धाम पहुंची। जहां डोली संग ग्रामीणों ने मां यमुना के दर्शन किए। पांचवें दिन यात्रा मुख्य पड़ाव गजोली गांव था और छठवें दिन यात्रा उत्तरो पहुंची। ग्राम प्रधान धर्मवीर सिंह ने बताया कि यात्रा गांव की सुख समृद्धि के लिए हर पांच वर्ष में होती है। यात्रा पहाड़ी कठिन रास्तों से होकर गुजरती है। लगभग 12000 हजार फीट की ऊंचाई को लोंघकर सुंदर बुयाल, फूलों और वन्य जीवों को निहारते हुए भक्तगण यात्रा का आनंद उठाते हैं। जिसमें पूरे गांव तथा आसपास के गांव के ग्रामीण भी यात्रा में शामिल होते हैं।

बड़कोट में सरकार की बुद्धि-शुद्धि को यज्ञ किया

उत्तरकाशी। बड़कोट में भीषण पेयजल किल्लत से परेशान नगरवासियों ने रविवार को सरकार की बुद्धि-शुद्धि के लिए चंद्रेश्वर महादेव मंदिर में यज्ञ किया। पालिका क्षेत्र के सातों वार्ड के नगरवासी लंबे समय से पेयजल किल्लत से जूझ रहे हैं। नगरवासी यमुना तिलाडी से पेयजल पंपिंग योजना का निर्माण किए जाने की मांग कर रहे हैं। स्थानीय लोग तहसील स्थल पर चार दिन से क्रमिक धरने पर बैठे हैं। मालूम हो कि नगर पालिका परिषद बड़कोट में भीषण जल संकट गहराया हुआ है। 6 साल से यमुना नदी से पम्पिंग पेयजल योजना की स्वीकृति की मांग करते आ रहे हैं। लेकिन समस्या का समाधान नहीं होने पर पालिकावासियों ने बीते छह जून से धरना-प्रदर्शन शुरू किया है। जय हो ग्रुप संयोजक सुनील थपलियाल ने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र में सरुखेत, छंटगां, चक्रगांव सहित सभी वार्डों के नगरवासी पेयजल संकट से परेशान हैं। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जशोदा राणा, पूरण रावत, और बलवीर असवाल ने कहा कि छोटी छोटी योजनाओं की स्वीकृति से बड़कोट की प्यास नहीं बुझने वाली, यहां के लिए यमुना नदी से पम्पिंग योजना स्वीकृत हो। चंद्रेश्वर महादेव मंदिर में बुद्धि शुद्धि यज्ञ करने वालों में सरपंच अजय रावत, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जशोदा राणा, जय हो ग्रुप संयोजक सुनील थपलियाल, जेपी नौटियाल, दलबीर सिंह, रोहित रावत, मोहित थपलियाल, पूरण सिंह रावत, अजय सिंह, मदन पैन्थली, दिनेश सिंह रावत, शारव सिंह राणा, जय सिंह चौहान, मनमोहन सिंह रावत, बलबीर असवाल, अक्षांश रावत, विनोद राणा, सुरेश डिमरी सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

